भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3517
जिसका उत्तर मंगलवार, 11 अगस्त, 2015 को दिया जाना है

ऑटोमोटिव परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास केंद्र

3517. श्री आर० ध्रुवनारायण:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारत को विश्व में एक शीर्षस्थ मशीन-पुर्जा उत्पादक राष्ट्र बनाने के लिए कोई नीति/योजना बनाई है/बनाने का विचार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में सात ऑटोमोटिव परीक्षण और अनुसंधान एवं विकास केंद्रों की स्थापना के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है;

(घ) क्या सरकार ने रुग्ण और घाटे में चल रहे केंद्रीय उपक्रमों के लिए संयुक्त उद्यम साझीदार ढूंढने के लिए कोई कार्ययोजना शुरू की है/करने का प्रस्ताव किया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): दिनांक 29 दिसम्बर, 2014 को हुई "मेक इन इंडिया" कार्यशाला में, भारी उद्योग विभाग ने एक राष्ट्रीय केपिटल गुड्स नीति, जिसमें मशीन टूल भी शामिल हैं, तैयार करने का दायित्व लिया है। तदनुसार, इसके लिए आधार दस्तावेज का मसौदा तैयार कर लिया गया है।

(ग): आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने जुलाई 2005 में राष्ट्रीय मोटर वाहन परीक्षण तथा अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना परियोजना (नैट्रिप) को अनुमोदित किया। इस परियोजना में अनेक ऑटोमोटिव परीक्षण तथा अनुसंधान एवं विकास केन्द्र स्थापित किए गए जो निम्न प्रकार हैं:-

इंटरनेशनल सेंटर फोर ऑटोमोटिव टेक्नॉलोजी (आईकैट), मानेसर - ऑटोमोटिव उद्योग के उत्तरी हब में एक पूर्ण विकसित परीक्षण एवं आधिकारिक प्रमाणन केन्द्र। इस केन्द्र में पेडेस्ट्रेन सेफ्टी लैब, माइलेज एक्यूमुलेशन चैसिस डायनो (एमएसीडी), शील्ड हाउसिंग इवेपोरेटिव डिटर्मिनेशन (एसएचईडी) तथा वाहन परीक्षण प्रकोष्ठ (वीटीसी) जैसी सुविधाएं हैं।

नेशनल ऑटोमोटिव टेस्ट ट्रैक्स (नेट्रैक्स), इंदौर:- लगभग 4000 एकड़ भूमि में ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन सड़कों के साथ विश्वस्तरीय प्रूविंग ग्राउंड या परीक्षण ट्रैक। इस केन्द्र में व्हीकल डायनैमिक लैब जिसमें कायनेमेटिक्स एवं कंप्लायंस रिग तथा संघटक विकास और रिग शामिल हैं, सीएडी/सीएई लैब तथा पावरट्रेन लैब जैसी सुविधाएं हैं।

व्हीकल रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट(वीआरडीई), अहमदनगर : इस केन्द्र में इलेक्ट्रोमैगनेटिक कंपेटिबिलिटी सुविधा तथा परीक्षण ट्रैक जिसमें एंटीलॉक ब्रेकिंग सिस्टम ट्रैक शामिल हैं, जैसी सुविधाएं हैं।

ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), पुणे : परीक्षण एवं आधिकारिक प्रमाणन सुविधा। इस केन्द्र में एक पैसिव सेफ्टी लैब है और दो अन्य लैब अर्थात फटीग लैब एवं पावर ट्रेन लैब का विकास किया जा रहा है।

नेशनल इंस्टिट्यूट फोर ऑटोमोटिव इंस्पेक्शन, मेंटेनेंस एंड ट्रेनिंग (एनआईएआईएमटी), सिल्चर:- नेशनल स्पेशलाइज्ड हिल एरिया ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर। इस केन्द्र में मैकेनिक्स ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट (एमटीआई), ड्राइविंग ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट(डीटीआई), इंस्पेक्शन मेंटेनेंस स्टेशन (आईएमएस) जैसी सुविधाएं हैं।

नेशनल सेंटर फोर व्हीकल रिसर्च एंड सेफ्टी (एनसीवीआरएस) रायबरेली। इस केन्द्र में दुर्घटना आंकड़ा विश्लेषण केन्द्र तथा ट्रैक्टरों और अप्रचलित वाहनों के परीक्षण जैसी सुविधाएं हैं।

ग्लोबल ऑटोमोटिव रिसर्च सेंटर (जीएआरसी) चेन्नई:- ऑटोमोटिव उद्योग के दक्षिणी हब में एक पूर्ण विकसित परीक्षण एवं आधिकारिक प्रमाणन केन्द्र जिसमें इनफोट्रोनिक्स लैब, पेडेस्ट्रेन सेफ्टी लैब, एयर बैग लैब जैसी सुविधाएं हैं। पावरट्रेन लैब, फटीग लैब, होमोलोगेशन ट्रैक जैसी सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

(घ) और (ड.): केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न उद्यमों के लिए पहले से ही अनुमोदित पुनरुद्धार योजनाओं में अन्य बातों के साथ-साथ, संयुक्त उद्यमों को स्थापित करना शामिल है। तथापि, संयुक्त उद्यम स्थापित करने में अब तक सीमित सफलता ही मिल पाई है।

*****